ΑΠ. καὶ προστραπέσθαι τούσδ' ἐπέστειλ' ἐς δόμους.
ΧΟ. καὶ τὰς προπομποὺς δῆτα τάσδε λοιδορεῖς;
ΑΠ. οὐ γὰρ δόμους ἐς τούσδε † πρόσφορον μολεῖν.
ΧΟ. ἀλλ' ἔστιν ἡμῖν τοῦτο προστεταγμένον.
ΑΠ. τίς ἥδε τιμή; κόμπασον γέρας καλόν.
ΧΟ. τοὺς μητραλοίας ἐκ δόμων ἐλαύνομεν.
ΑΠ. τί γάρ; γυναικὸς ἥτις ἄνδρα νοσφίσῃ;
ΧΟ. οὐκ ἂν γένοιθ' † ὅμαιμος αὐθέντης φόνος.
ΑΠ. ἦ κάρτ' ἄτιμα καὶ παρ' οὐδέν ἐστί σοι
Ἥρας τελείας καὶ Διὸς πιστώματα.
Κύπρις δ' ἄτιμος τῷδ' ἀπέρριπται λόγῳ,
ὅθεν βροτοῖσι γίγνεται τὰ φίλτατα.
εὐνὴ γὰρ ἀνδρὶ καὶ γυναικὶ † μόρσιμος
ὅρκου 'στὶ μείζων, τῇ Δίκῃ φρουρουμένη.
εἰ τοῖσιν οὖν κτείνουσι συλλέκτρους χαλᾷς

verbum substantlvum. δ' ἔκτωρ (corr. in marg.) M. Qu. *αἷμα δέξασθαι νέον*, aut potius *αἵματος δέκτωρ πέλειν*.

205. *ἐπέστελλον δόμους* mss. Leg. *ἐπέστειλ' ἐς δόμους*. *ζτ'* in marg. M.

207. *δόμοισι τοῖσδε* mss. Leg. *δόμους ἐς τούσδε*. Non bene Graecum est *'Αθήναις μολεῖν* et similia, sed *εἰς 'Αθήνας*. Cf. 205. *πρόσφορον* mss. *πρόσφοροι* Stanl. Weil. Prien. *πρόσφορον μολεῖν*] Qu. *προσπλάζειν πρέπει*, Aut *ἐς τούσδ' ἐχρῆν ὑμᾶς μολεῖν*. Requiri videtur pronomen.

209. *κόμπασον*] *κομπάσει* Naber. Qu. *'κόμπασας*. Aut *γέρας ἐκόμπασας καλόν*, aut potius *καλὸν ἐκόμπασας γέρας*.

211. *τί γὰρ γυναικὸς* M. Dind. *τίς γὰρ* — V. Fl. F. *τί γάρ; γυναικὸς* Heims. Fort. *ἦ γὰρ γυναικὸς —;* *γυναικὸς* mss. Dind. *γυναῖκας* Pal. Weckl. *ἥτις*] *εἴ τις* Pal. Weckl. *νοσφίσῃ* M. *νοσφίσει* V. Fl. F.

212. Χο. addidit Rob. *οὐκ ἂν γένοιθ' ὅμαιμος* mss. Qu. *οὐκ ἂν γένοιτ' ἂν ἀνδρὸς* (aut *οὗτος*), aut *οὐκ ἂν γένοιθ' ὅμευνος*. Nisi potius in *αὐθέντης* (f. *ἀνδρὸς ἂν*) est corruptela. Post h. v. lacunam unius versus statuit Weil., cujus sensus fuerit, itaque nostrum non est eam persequi. Nihil opus.

213. *ἄτιμα*] *ἄπιστα* Heims. *ἠρκέσω* (*ἀρκ.* P.) mss. *ἠδέσω* Well. Fr. Linw. *ἧκέ σοι* Herm. Dind. *ἀρκέσει* Wakef. *εἰργάσω* (fecisti) Wordsworth. Pal. Drake. Sidg. *ἤρκεσεν* Weil. Qu. *ἀρά σοι*, aut *ἐστί σοι*, aut *ἔκτισας*, aut *οὖν ἔθου* (Ag. 221. *παρ' οὐδὲν ἔθεντο*.), aut *ἀρκέσει* (will be of no avail, coll. 849. Ag. 239.). Neque *ἠρκέσω*, neque *εἰργάσω*, neque *ἠδέσω* convenit.

216. *γίνεται* M. *γίγνεται* Porson.

217. *μόρσιμοι* M. G. et (*ος* supr.) V. Fl. *μόρσιμος* F. *ζτ* adscriptum in M. *μορσίμη* Turn. Aliud epithetum *γαμήλιος* significans requiri videtur.

219. *ἢ* (M.) aut *ἦ* mss. *εἰ* Cant. *κτείνουσιν ἀλλήλους* mss. *κτείνουσι συλλέκτρους* conj. Weckl. *κτείνουσιν ἀγχίστους* Stadtmüller. Qu. — *ὁμολέκτρους*.

SLUB Wir führen Wissen. UNIVERSITÄT LEIPZIG